विषय सूची

अनुवादक की ओर से 7
दूसरे संस्करण की भूमिका 9
भूमिका 10
आभार ज्ञापन 12

भाग 1 : पंजाब और सिख धर्म का जन्म

1. सिख मातृभूमि 19
2. सिख धर्म का जन्म 31
3. सिख गुरुधाम की उत्पत्ति 61
4. शस्त्र उठाने का आह्वान 75
5. शांतिवादी सिख से युद्धप्रिय खालसा 87

भाग 2 : किसान जागृति

6. बंदा बहादुर का उत्थान और पतन 111
7. सिखों पर अत्याचार और खालसा फौज का पुनर्गठन 129
8. अहमद शाह अब्दाली और सिख 139
9. सिंधु से गंगा तक 176

भाग 3 : पंजाब राजतंत्र एवं साम्राज्यवाद

10. सुकेरचकिया मिस्ल का उत्थान 193
11. पंजाब का महाराजा 202
12. मालवा के अधिपति 215
13. अंग्रेजों द्वारा मालवा का अधिग्रहण 224
14. पंजाब का संगठन 237
15. उत्तरी भारत में अफगानी सत्ता का खात्मा 250
16. सेना का यूरोपीयकरण 262
17. सिंध के स्वप्न और समुद्र 271
18. हिमालय के पार, तिब्बत तक 282

भाग 4 : परिशिष्ट

परिशिष्ट 1 : गुरु नानक के जीवन के बारे में सूचना देने वाली जन्मसाखियाँ और अन्य स्रोत 303
परिशिष्ट 2 : 'आदि ग्रंथ' अथवा 'ग्रंथ साहिब' 308
परिशिष्ट 3 : भाई गुरदास 314
परिशिष्ट 4 : दशम् ग्रंथ 318
परिशिष्ट 5 : 'आदि ग्रंथ' से गुरुवाणी 324
परिशिष्ट 6 : ब्रिटिश सरकार और लाहौर के राजा के मध्य 1809 की लाहौर संधि 369
परिशिष्ट 7 : सन् 1838 की त्रिपक्षीय संधि 371
संदर्भ-ग्रंथ सूची 376
अनुक्रमणिका 389

चित्र

पृष्ठ 222 और 223 के बीच :
—गुरु नानक तथा उनके साथी मरदाना और बाला
—सिखों के अंतिम गुरु, गुरु गोबिंद सिंह

पृष्ठ 254 और 255 के बीच :
—रंजीत सिंह अपनी चहेती मुस्लिम पत्नी बीबी गुलबहार बेगम के साथ
—अमृतसर का सिख गुरुद्वारा—स्वर्ण मंदिर हरिमंदिर साहिब

नक्शे

—पंजाब का मानचित्र : पृष्ठ 16-17
—रंजीत सिंह के जन्म के समय, 1780 में उत्तर भारत : पृष्ठ 192
—पंजाब 1809 में : पृष्ठ 223
—रंजीत सिंह की मृत्यु के समय, 1839 में उत्तर भारत : पृष्ठ 294